चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20.2.26	3	1-2

मत्स्य क्षेत्र को एग्री बिजनेस प्रणाली के रूप में देखें छात्र

हकृवि में अधिकारियों के साथ प्रतिभागी • जागरण

हकृवि व राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान हैदराबाद की ओर से हुआ एक्वा युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज-फिशहब), हैदराबाद की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित एक्वा युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के समापन अवसर पर मत्स्य क्षेत्र में उद्यम विकास, डिजिटल ब्रांडिंग तथा संस्थागत सहयोग प्रणालियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

सहायक प्राध्यापक डा. सुबोध अग्रवाल ने मत्स्य बीज उत्पादन, जलीय कृषि संचालन, फीड एवं इनपुट सेवाएं तथा विपणन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध उद्यमिता संभावनाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को मत्स्य क्षेत्र को एक समग्र एवं एकीकृत एग्रीबिजनेस प्रणाली के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। नेक्स्टडाट के संस्थापक आयुष पराशर ने मत्स्य उत्पादों के लिए डिजिटल मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने आनलाइन प्लेटफार्म, रणनीतिक ब्रांड पोजिशनिंग और उपभोक्ता सहभागिता को विशेष तौर से रेखांकित किया।

ऋण सुविधाओं व अनुदान आधारित योजनाओं के बारे में दी जानकारी

नाबार्ड के उप विकास प्रबंधक राकेश राणा ने मत्स्य एवं जलीय कृषि उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग तथा वित्तीय सहायता पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने स्टार्टअप्स एवं नवोदित उद्यमों के लिए उपलब्ध ऋण सुविधाओं, अनुदान आधारित योजनाओं तथा संस्थागत सहायता तंत्र की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	20.2.26	9	2-8

कार्यक्रम हकृवि में एक्वा युवा कार्यक्रम का हुआ समापन

मत्स्य क्षेत्र में उद्यम विकास व डिजिटल ब्रांडिंग पर गहन विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज-फिशहब), हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक्वा युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के समापन अवसर पर मत्स्य क्षेत्र में उद्यम विकास, डिजिटल ब्रांडिंग तथा संस्थागत सहयोग प्रणालियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

हिसार। प्रतिभागी अधिकारियों के साथ। फोटो: हरिभूमि

सहायक प्राध्यापक डॉ. सुबोध अग्रवाल ने मत्स्य बीज उत्पादन, जलीय कृषि संचालन, फीड एवं इनपुट सेवाएं तथा विपणन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध उद्यमिता संभावनाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को मत्स्य क्षेत्र को एक समग्र एवं एकीकृत एग्रीबिजनेस प्रणाली के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। नेक्स्टडॉट के संस्थापक आयुष पराशर ने मत्स्य उत्पादों के लिए डिजिटल मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने • ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, रणनीतिक ब्रांड पोजिशनिंग, उपभोक्ता सहभागिता तथा तकनीक आधारित विपणन रणनीतियों की भूमिका को रेखांकित किया, जो मत्स्य उद्यमों की बाजार पहुंच एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ़ बनाती हैं।

ये रहे मौजूद

नाबार्ड के उप विकास प्रबंधक राकेश राणा ने मत्स्य एवं जलीय कृषि उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग तथा वित्तीय सहायता पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी प्रभारी डॉ रचना गुलाटी, तथा विभागाध्यक्ष डॉ दलिप कुमार बिश्नोई भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ निवेधा सी के, इनोवेशन रिसर्च फेलो, मैनेज फिशहब द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ अनुपम आनंद एवं डॉ नितीश बंसल आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20.2.26	3	1-7

हकृवि में एक्वा युवा कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

मूल्य श्रृंखला, डिजिटल विपणन एवं संस्थागत सहयोग पर किया गया विचार विमर्श

हिसार, 19 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज-फिशहब), हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक्वा युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के समापन अवसर पर मत्स्य क्षेत्र में उद्यम विकास, डिजिटल ब्रांडिंग तथा संस्थागत सहयोग प्रणालियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

सहायक प्राध्यापक डॉ. सुबोध अग्रवाल ने मत्स्य बीज उत्पादन, जलीय कृषि संचालन, फीड एवं इनपुट सेवाएँ तथा विपणन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध उद्यमिता संभावनाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को मत्स्य क्षेत्र को एक समग्र एवं एकीकृत एग्रीबिजनेस प्रणाली के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। नेक्स्टडॉट के संस्थापक आयुष पराशर ने मत्स्य उत्पादों के लिए डिजिटल मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, रणनीतिक ब्रांड पोजिशनिंग, उपभोक्ता सहभागिता तथा तकनीक आधारित विपणन रणनीतियों की भूमिका को रेखांकित किया, जो मत्स्य उद्यमों की बाजार पहुँच एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ बनाती हैं।

नाबार्ड के उप विकास प्रबंधक राकेश राणा ने मत्स्य एवं जलीय कृषि उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग तथा वित्तीय सहायता पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने स्टार्ट अप्स एवं नवोदित उद्यमों के लिए उपलब्ध ऋण सुविधाओं अनुदान आधारित योजनाओं तथा संस्थागत सहायता तंत्र की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी प्रभारी डॉ.रचना गुलाटी, तथा विभागाध्यक्ष डॉ दलिप कुमार बिश्नोई भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. अनुपम आनंद सहायक प्राध्यापक एवं डॉ. नितीश बंसल सहायक वैज्ञानिक जो कि एक्वा युवा कार्यक्रम के समन्वयक हैं भी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों के साथ सत्रों के दौरान निरंतर संवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.2.26	2	1-3

कृषि-एक्वा में समान अवसर देने होंगे : डॉ. सुबोध

एचएयू में आयोजित एक्वा युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज-फिशहब) हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक्वा युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम का वीरवार को समापन हुआ। समापन समारोह में सहायक प्राध्यापक डॉ. सुबोध अग्रवाल ने युवाओं को कृषि के साथ-साथ एक्वा क्षेत्र में भी समान अवसर देने की आवश्यकता पर बल दिया।

एचएयू में आयोजित एक्वा कार्यक्रम में उपस्थित युवा व शिक्षक। स्रोत : संस्थान

उन्होंने कहा कि युवाओं को स्टार्टअप्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, रणनीतिक ब्रांड पोजिशनिंग, और तकनीक आधारित विपणन रणनीतियों की अहमियत समझनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को मत्स्य क्षेत्र को समग्र और एकीकृत एग्रीबिजनेस प्रणाली के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। नेक्स्टडॉट के संस्थापक आयुष पराशर ने मत्स्य उत्पादों के लिए डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और उपभोक्ता सहभागिता की भूमिका ने मत्स्य उद्यमों की बाजार पहुँच और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ़ किया है।

नाबार्ड के उप विकास प्रबंधक राकेश राणा ने मत्स्य और जलीय कृषि उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग, और वित्तीय सहायता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्टार्टअप्स और नवोदित उद्यमों के लिए ऋण सुविधाओं और अनुदान आधारित योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी प्रभारी डॉ. रचना गुलाटी और विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई मौजूद रहे। डॉ. निवेधा सी के, इनोवेशन रिसर्च फेलो, मैनेज-फिशहब द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	19.02.2026	--	--

हकृवि में एक्वा युवा कार्यक्रम का हुआ समापन

» मूल्य श्रृंखला, डिजिटल विपणन एवं संस्थागत सहयोग पर किया गया विचार विमर्श

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज-फिशहब), हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक्वा युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के समापन अवसर पर मत्स्य क्षेत्र में उद्यम विकास, डिजिटल ब्रांडिंग तथा संस्थागत सहयोग प्रणालियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सहायक प्राध्यापक डॉ सुबोध अग्रवाल ने मत्स्य बीज उत्पादन, जलीय कृषि संचालन, फीड एवं इनपुट सेवाएं तथा विपणन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध उद्यमिता संभावनाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को मत्स्य क्षेत्र को एक समग्र एवं एकीकृत एग्रीबिजनेस प्रणाली के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। नेक्स्टडॉट के संस्थापक आयुष पराशर ने मत्स्य उत्पादों के लिए डिजिटल मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, रणनीतिक ब्रांड पोजिशनिंग, उपभोक्ता सहभागिता तथा तकनीक आधारित विपणन रणनीतियों की भूमिका को रेखांकित किया, जो मत्स्य उद्यमों की बाजार पहुँच एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ़ बनाती हैं। नाबार्ड के उप विकास प्रबंधक राकेश राणा ने मत्स्य एवं जलीय कृषि उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग तथा वित्तीय सहायता पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने स्टार्ट अप्स एवं नवोदित उद्यमों के लिए उपलब्ध ऋ ण सुविधाओं अनुदान आधारित योजनाओं तथा संस्थागत सहायता तंत्र की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी प्रभारी डॉ रचना गुलाटी, तथा विभागाध्यक्ष डॉ दलिप कुमार बिश्नोई भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ निवेधा सी के, इनोवेशन रिसर्च फेलो, मैनेज फिशहब द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ अनुपम आनंद सहायक प्राध्यापक एवं डॉ नितीश बंसल सहायक वैज्ञानिक जो कि एक्वा युवा कार्यक्रम के समन्वयक हैं भी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों के साथ सत्रों के दौरान निरंतर संवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20.2.26	3	1

हकृवि में डिजिटल ऐप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 19 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत 'ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल ऐप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने कई जानकारियां दी। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन भुगतान प्रणाली, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, यूपीआई, क्यूआर कोड और बैंकिंग ऐप्स के उपयोग की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में डॉ. मीनू, डॉ. वर्षा तथा पीएचडी स्कॉलर आस्था भी उपस्थित रहीं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं महिलाएं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	20.2.26	12	1-2

मोबाइल-इंटरनेट आय अर्जन का प्रभावी माध्यम बने : डॉ. कविता

हिसार। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं महिलाएं।

■ हकृवि में डिजिटल एप्स के माध्यम से हुआ आय और कौशल विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत 'ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल एप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट केवल संचार के साधन नहीं, बल्कि आय अर्जित करने और कौशल विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि महिलाएं डिजिटल ऐप्स के माध्यम से हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, सिलाई-कढ़ाई, डेयरी उत्पाद एवं अन्य घरेलू वस्तुओं का ऑनलाइन विपणन कर सकती हैं। साथ ही ऐप्स के जरिए नए कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन भुगतान प्रणाली, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, यूपीआई, क्यूआर कोड और बैंकिंग ऐप्स के उपयोग की जानकारी दी गई। उन्हें साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया। प्रतिभागियों को मार्केटिंग रणनीति के बारे में भी जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20.2.26	10	7-8

एप्स से आय व कौशल विकास पर दिया प्रशिक्षण

हिसार (हप्र) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल ऐप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट केवल संचार के साधन नहीं, बल्कि आय अर्जित करने और कौशल विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि महिलाएं डिजिटल ऐप्स के माध्यम से हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, सिलाई-कढ़ाई, डेयरी उत्पाद एवं अन्य घरेलू वस्तुओं का ऑनलाइन विपणन कर सकती हैं। साथ ही ऐप्स के जरिए नए कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20.2.26	5	7

महिलाओं को दिया डिजिटल एप से कौशल विकास का प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल एप के माध्यम से आय और कौशल विकास विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डा. कविता दुआ जाधव ने कहा कि महिलाएं डिजिटल ऐप्स के माध्यम से हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, सिलाई-कढ़ाई, डेयरी उत्पाद एवं अन्य घरेलू वस्तुओं का आनलाइन विपणन कर सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	19.02.2026	--	--

हकृवि में डिजिटल ऐप के माध्यम से आय और कौशल विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत 'ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल ऐप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट केवल संचार के साधन नहीं, बल्कि आय अर्जित करने और कौशल विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि महिलाएं डिजिटल ऐप्स के माध्यम से हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, सिलाई-कढ़ाई, डेयरी उत्पाद एवं अन्य घरेलू वस्तुओं का ऑनलाइन विपणन कर सकती हैं। साथ ही ऐप्स के जरिए नए कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन भुगतान प्रणाली, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, यूपीआई, क्यूआर कोड और बैंकिंग ऐप्स के उपयोग की जानकारी दी गई। उन्हें साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया। प्रतिभागियों को मार्केटिंग रणनीति के बारे में भी जानकारी दी गई।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। विशेषज्ञों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण भविष्य में ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अंत में डॉ. कविता दुआ ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए उन्हें अपनी आय बढ़ाने और बचत के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. मीनू, डॉ. वर्षा तथा पीएचडी स्कॉलर आस्था भी उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल माध्यमों से आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

हकृवि में मूल्य श्रृंखला, डिजिटल विपणन एवं संस्थागत सहयोग पर किया विमर्श

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज-हैदराबाद), हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एग्री युवा-मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के समापन अवसर पर मत्स्य क्षेत्र में उद्यम विकास, डिजिटल ब्रांडिंग तथा संस्थागत सहयोग प्रणालियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सहायक प्राध्यापक डॉ सुबोध अग्रवाल ने मत्स्य बीज उत्पादन, जलीय कृषि संचालन, फीड एवं इनपुट सेवाएं तथा विपणन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध उद्यमिता संभावनाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को मत्स्य क्षेत्र को एक समग्र एवं एकीकृत एग्रीबिजनेस प्रणाली के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। नेक्स्टडोर के संस्थापक आयुष पराशर ने मत्स्य उत्पादों के लिए डिजिटल मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, रणनीतिक ब्रांड पोजिशनिंग, उपभोक्ता सहभागिता तथा तकनीक आधारित विपणन रणनीतियों की भूमिका को रेखांकित किया, जो मत्स्य उद्यमों की बाजार पहुंच एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ़ करती है। नाबार्ड के उप विकास प्रबंधक राकेश राणा ने मत्स्य एवं जलीय कृषि उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग तथा वित्तीय सहायता पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने स्टार्ट अप्स एवं नवोदित उद्यमों के लिए उपलब्ध ऋण सुविधाओं अनुदान आधारित योजनाओं तथा संस्थागत सहायता तंत्र की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी प्रभारी डॉ रचना गुलाटी, तथा विभागाध्यक्ष डॉ दलिप कुमार बिश्नोई भी उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	20.02.2026	--	--

हकृवि में डिजिटल ऐप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 20 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत 'ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल ऐप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट केवल संचार के साधन नहीं, बल्कि आय अर्जित करने और कौशल विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि महिलाएं डिजिटल ऐप्स के माध्यम से हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, सिलाई-कढ़ाई, डेयरी उत्पाद एवं अन्य घरेलू वस्तुओं का ऑनलाइन विपणन कर सकती हैं। साथ ही ऐप्स के जरिए नए कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन भुगतान प्रणाली, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, यूपीआई, क्यूआर कोड और बैंकिंग ऐप्स के उपयोग की जानकारी दी गई। उन्हें साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया। प्रतिभागियों को मार्केटिंग रणनीति के बारे में भी जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। विशेषज्ञों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण भविष्य में ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अंत में डॉ. कविता दुआ ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए उन्हें अपनी आय बढ़ाने और बचत के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. मीनू, डॉ. वर्षा तथा पीएचडी स्कॉलर आस्था भी उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल माध्यमों से आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	19.02.2026	--	--

डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट केवल संचार के साधन नहीं, बल्कि आय अर्जित करने के प्रभावी माध्यम : डॉ. कविता

नभ-छोर न्यूज ⏭ 19 फरवरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल ऐप्स के माध्यम से आय और कौशल विकास विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट केवल संचार के साधन नहीं, बल्कि आय अर्जित करने और कौशल विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि महिलाएं डिजिटल ऐप्स के माध्यम से हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, सिलाई-कढ़ाई, डेयरी उत्पाद एवं अन्य घरेलू वस्तुओं का ऑनलाइन विपणन कर सकती हैं। साथ ही ऐप्स के जरिए नए कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन भुगतान प्रणाली, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, यूपीआई, क्यूआर कोड और बैंकिंग ऐप्स के उपयोग की जानकारी दी गई। उन्हें साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया। प्रतिभागियों को मार्केटिंग रणनीति के बारे में भी जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। डॉ. कविता दुआ ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए उन्हें अपनी आय बढ़ाने और बचत के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. मीनू, डॉ. वर्षा तथा पीएचडी स्कॉलर आस्था भी उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल माध्यमों से आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	20.2.26	1	1

हकृवि में दो दिवसीय साइंस कांक्लेव 23 से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 23 व 24 फरवरी को हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कांक्लेव 2025-2026 का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने बताया कि साइंस कांक्लेव का विषय एग्री साइंस इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर रखा गया है। उन्होंने बताया कि साइंस कॉन्क्लेव का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां पर वे कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, जलवायु स्मार्ट कृषि, डिजिटल एवं प्री-सीजन फार्मिंग जैसे सम-सामयिक विषयों पर विचार विमर्श कर सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.2.26	4	7-8

एचएयू में साइंस कॉन्क्लेव 23 फरवरी से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 23 और 24 फरवरी को साइंस कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का सहयोग हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि कॉन्क्लेव का विषय एग्री साइंस इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर रखा गया है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां वे कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, जलवायु स्मार्ट कृषि, और डिजिटल कृषि जैसे सम-सामयिक विषयों पर चर्चा कर सकेंगे। साइंस कॉन्क्लेव में पोस्टर प्रस्तुति, मॉडल प्रदर्शनी, नारा लेखन, वाद-विवाद (डिक्लेमेशन) और रंगोली प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20.2.26	7	1-2

हकृवि में दो दिवसीय साइंस कान्क्लेव 23 से

हिसार (हप्र) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 23 से दो दिवसीय को हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कांक्लेव का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने बताया कि साइंस कान्क्लेव का विषय एग्री साइंस इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर रखा गया है। साइंस कॉन्क्लेव का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां पर वे कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, जलवायु स्मार्ट कृषि, डिजिटल एवं प्री-सीजन फार्मिंग जैसे सम-सामयिक विषयों पर विचार विमर्श कर सकेंगे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20.2.26		

साइंस कांक्लेव 23 से

हिसार, 19 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 23 व 24 फरवरी को हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कांक्लेव 2025-2026 का आयोजन किया जाएगा। साइंस कॉन्क्लेव में कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, जलवायु स्मार्ट कृषि, डिजिटल एवं प्री-सीजन फार्मिंग जैसे सम-सामयिक विषयों पर विचार विमर्श कर सकेंगे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	19.02.2026	--	--

हकृवि में दो दिवसीय साइंस कॉन्कलेव 23 फरवरी से

नभ-छोर न्यूज ▶▶| 19 फरवरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 23 व 24 फरवरी को हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कॉन्कलेव 2025-2026 का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने बताया कि साइंस कांक्लेव का विषय एग्री साइंस इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर रखा गया है। उन्होंने बताया कि साइंस कॉन्क्लेव का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति निमार्ताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां पर वे कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, जलवायु स्मार्ट कृषि, डिजिटल एवं प्री-सीजन फार्मिंग जैसे सम-सामयिक विषयों पर विचार विमर्श कर सकेंगे। इस सम्मेलन में विज्ञान और कृषि के महत्व पर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा मुख्य व्याख्यान दिए जाएंगे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	19.02.2026	--	--

हकृवि में दो दिवसीय साइंस कांक्लेव 23 फरवरी से

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार, । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 23 व 24 फरवरी को हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कांक्लेव 2025-2026 का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने बताया कि साइंस कांक्लेव का विषय एग्री साइंस इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर रखा गया है। उन्होंने बताया कि साइंस कॉन्क्लेव का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां पर वे कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, जलवायु स्मार्ट कृषि, डिजिटल एवं प्रीसीजन फार्मिंग जैसे सम-सामयिक विषयों पर विचार विमर्श कर सकेंगे। इस सम्मेलन में विज्ञान और कृषि के महत्व पर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा मुख्य व्याख्यान दिए जाएंगे।

यह ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करेगा, वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करेगा, प्रारंभिक-करियर शोधकर्ताओं को प्रेरित करेगा तथा शैक्षणिक, उद्योग और नीति क्षेत्रों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करेगा। साइंस कांक्लेव में पोस्टर प्रस्तुती, मॉडल प्रदर्शनी, नारा लेखन, वाद-विवाद (डिक्लेमेशन) तथा रंगोली की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	20.02.2026	--	--

हकृवि में दो दिवसीय साइंस कांक्लेव 23 फरवरी से

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 20 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 23 व 24 फरवरी को हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से साइंस कांक्लेव 2025-2026 का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने बताया कि साइंस कांक्लेव का विषय एग्री साइंस इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर रखा गया है। उन्होंने बताया कि साइंस कॉन्क्लेव का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां पर वे कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, जलवायु स्मार्ट कृषि, डिजिटल एवं प्री-सीजन फार्मिंग जैसे सम-सामयिक विषयों पर विचार विमर्श कर सकेंगे। इस सम्मेलन में विज्ञान और कृषि के महत्व पर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा मुख्य व्याख्यान दिए जाएंगे। यह ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करेगा, वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करेगा, प्रारंभिक-करियर शोधकर्ताओं को प्रेरित करेगा तथा शैक्षणिक, उद्योग और नीति क्षेत्रों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करेगा। साइंस कांक्लेव में पोस्टर प्रस्तुती, मॉडल प्रदर्शनी, नारा लेखन, वाद-विवाद (डिक्लेमेशन) तथा रंगोली की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।